



18. “आप वासुदेव की पूजा करते हैं इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते हैं किन्तु कोयले या पत्थर का नहीं देते और मोती को कठ में बाँधकर फिरते हैं किन्तु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते।” कस-से-कम इस विषय पर कवियों के साथ चर्चा न करना ही उत्तम !

उत्तर:- कवि पंक (कीचड़) से घृणा करते हैं। पंकज (कमल) को सिर माथे पर लगाया जाता है। कवि पंक को अपनी रचना में रखते हैं परन्तु पंक को अपनी रचना में नहीं लाते हैं। यह दुर्भाग्य की बात है कि कवि कीचड़ का तिरस्कार करता है। वासुदेव कृष्ण को कहते हैं और लोग उसकी पूजा करते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं के उनके पिता वासुदेव को भी पूजें। हीरे को मूल्यवान मानते हैं तो आवश्यक नहीं के कोयले को भी माने जहाँ हीरा उत्पन्न होता है। मोती को गले में धारण करते हैं परन्तु उसकी सीप को नहीं। कवि कहते हैं इस विषय में कवियों से चर्चा करना व्यर्थ है।

• भाषा अध्ययन

19. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए –

जलाशय –

सिंधु –

पंकज –

पृथ्वी –

आकाश –

उत्तर:-

जलाशय	सर, सरोवर, तालाब
सिंधु	सागर, समुद्र, रत्नाकर
पंकज	नीरज, जलज, कमल
पृथ्वी	धरा, भूमि, धरती
आकाश	अम्बर, नभ, व्योम

20. निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम भी लिखिए –

(क) कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

(ख) क्या कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है?

(ग) हमारा अन्न कीचड़ से ही पैदा होता है।

(घ) पदचिह्न उसपर अंकित होते हैं। _____

(ङ) आप वासुदेव की पूजा करते हैं। _____

उत्तर:- (क) कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

का – संबंध कारक

(ख) क्या कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने किया है?

का – संबंध कारक

ने – कर्ता कारक

(ग) हमारा अन्न कीचड़ से ही पैदा होता है।

से – करण कारक

(घ) पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं।

पर – अधिकरण कारक

(ङ) आप वासुदेव की पूजा करते हैं।

की – संबंध कारक

21. निम्नलिखित शब्दों की बनावट को ध्यान से देखिए और इनका पाठ से भिन्न किसी नए प्रसंग में वाक्य प्रयोग कीजिए –

कर्षक	यथार्थ	तटस्थ ता	कला भिज्ञ	पदचि ह्न
अंकि त	तृप्ति	सनात न	लुप्त	जाग्र त
घृणा स्पद	युक्तिशू न्य	वृत्ति		

उत्तर:-

आकर्षक	आकर्षक दाम मिलने पर किसान ने बिना कुछ सोचे अपनी जमीन बेच दी।
यथार्थ	यथार्थ में जीना सीखो।
तटस्थता	न्याय करते समय राजा को तटस्थता की नीति अपनानी चाहिए।
कलाभिज्ञ	हमारी पाठशाला के वार्षिकोत्सव में कई महान कलाभिज्ञ आते हैं।
पदचिह्न	हमें गांधी जी के पदचिह्न पर आगे बढ़ना चाहिए।
अंकित	शिवाजी का नाम हमारे देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।
तृप्ति	नदी का ठंडा जल पीकर मुसाफिर को तृप्ति हुई।
सनातन	इस विश्व में प्रेम ही सनातन है।
लुप्त	आज मानवता संसार से धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है।
जाग्रत	आज भारत का हर गाँव अपने विकास के लिए जाग्रत हो चुका है।
घृणास्पद	धूल से सना मनुष्य घृणास्पद प्रतीत होता है।
युक्तिशून्य	बहस ना करो, तुम्हारे सारे तर्क युक्तिशून्य हैं।
वृत्ति	सागर विनम्र वृत्ति का छात्र है।

22. नीचे दी गई संयुक्त क्रियाओं का प्रयोग करते हुए कोई अन्य वाक्य बनाइए –

- (क) देखते-देखते वहाँ के बादल श्वेत पूनी जैसे हो गए।
- (ख) कीचड़ देखना हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए।
- (ग) हमारा अन्न कीचड़ में से ही पैदा होता है।

उत्तर:- (क) देखते-देखते हिमालय आँखों से ओझल हो गया।

(ख) रात होने से पहले हमें घर पहुँचना चाहिए।

(ग) कमल कीचड़ में से ही पैदा होता है।

23. न, नहीं, मत का सही प्रयोग रिक्त स्थानों पर कीजिए

- (क) तुम घर _____ जाओ।
- (ख) मोहन कल _____ आएगा।
- (ग) उसे _____ जाने क्या हो गया है?
- (घ) डाँटो _____ प्यार से कहो।
- (ङ) मैं वहाँ कभी _____ जाऊँगा।
- (च) _____ वह बोला _____ मैं।

उत्तर:- (क) तुम घर मत जाओ।

(ख) मोहन कल नहीं आएगा।

(ग) उसे न जाने क्या हो गया है?

(घ) डाँटो मत प्यार से कहो।

(ङ) मैं वहाँ कभी नहीं जाऊँगा।

(च) न वह बोला न मैं।

***** END *****